Scheme of Examination of B.A. Hindi (Compulsory)
W.e.f. July 2012-13

Course	Nomenclature	Total Marks	Theory	Internal Assessment	Time
Sem.-I	Hindi (Compulsory)	100	80	20	3 Hrs.
Sem.-II	Hindi (Compulsory)	100	80	20	3 Hrs.
Sem.-III	Hindi (Compulsory)	100	80	20	3 Hrs.
Sem.-IV	Hindi (Compulsory)	100	80	20	3 Hrs.
Sem.-V	Hindi (Compulsory)	100	90	10	3 Hrs.
Sem.-VI	Hindi (Compulsory)	100	90	10	3 Hrs.

म० द० विश्वविद्यालय के लिए

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१२

बी०ए० : प्रथम सेमेस्टर

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- वस्तुनिष्ठ प्रश्न
- निर्धारित पाठ्यपुस्तक–मध्यकालीन काव्य–कुंज : सं० डॉ० रामसजन पाण्डेय
  प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, १२७६/५, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज़, रोहतक।

- हिंदी साहित्य का आदिकाल
- काव्यशास्त्र

खण्ड--क : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड--ख : मध्यकालीन काव्य-कुंज

- पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि
  कबीर, सूरदास, तुलसीदास, मीराँबाई, बिहारी, घनानंद, रसखान

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जायेंगे । कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे ।

खण्ड--ग : हिन्दी साहित्य का आदिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा
२ आदिकाल का नामकरण
३ आदिकाल की परिस्थितियाँ
४ आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ
५ रासोकाव्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय

खण्ड--घ : काव्यशास्त्र पर आधारित विषय

१ काव्य के तत्व

२ रस : स्वरूप और अंग
३ रस के भेद

४ अलंकार–अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण, अन्योक्ति, समासोक्ति
छंद–दोहा, चौपाई, सोरठा, बरवै, कुण्डलियाँ, छप्पय, कवित्त, घनाक्षरी
शब्दशक्तियाँ : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
काव्य–गुण : प्रसाद, माधुर्य और ओज

निर्देश--

१ खण्ड (क) में पूरे पाठ्यक्रम में से ८ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक पश्न १ अंक का तथा पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

२ खण्ड (ख) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

३ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

५ खण्ड (ग) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछ जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ८–८ अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न १६ अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

७ खण्ड (घ) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न ५ अंक का तथा पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१२ से प्रभावी

बी०ए० : द्वितीय सेमेस्टर

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- वस्तुनिष्ठ प्रश्न
- ध्रुवस्वामिनी (नाटक) : जयशंकर प्रसाद
- हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल
- व्यावहारिक हिन्दी

खण्ड--क : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड--ख : ध्रुवस्वामिनी

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का प्रतिपाद्य
२ 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की पात्र–योजना
३ 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की अभिनेयता
४ प्रसाद की नाट्यकला

खण्ड--ग : हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ भक्तिकाल की परिस्थितियाँ
२ संत काव्य की प्रवृत्तियाँ
३ सूफी काव्य की प्रवृत्तियाँ
४ राम काव्य की प्रवृत्तियाँ
५ कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियाँ
६ भक्तिकाल : स्वर्णयुग

खण्ड--घ : व्यावहारिक हिंदी

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

१ भाषा की परिभाषा
२ भाषा के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, माध्यमभाषा, मातृभाषा
३ मानक–भाषा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
४ हिन्दी वर्णमाला : स्वर एवं व्यंजन
५ हिन्दी वर्तनी : समस्या और समाधान
६ मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

निर्देश-

१ खण्ड (क) में पूरे पाठ्यक्रम में से ८ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न १ अंक का तथा पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

२ खण्ड (ख) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

३ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक पश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

५ खण्ड (ग) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ८–८ अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न १६ अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

७ खण्ड (घ) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न ५ अंक का तथा पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक

बी०ए० : तृतीय सेमेस्टर

सत्र २०१२-१३

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

- आधुनिक हिंदी कविता : प्रधान संपा० डॉ० सरिता वशिष्ठ, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र
- हिंदी साहित्य का रीतिकाल
- प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कंप्यूटिंग और अनुवाद

- **खण्ड--क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्यपुस्तक :** आधुनिक हिंदी कविता : प्रधान संपा० डॉ० सरिता वशिष्ठ, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र

नोटः गत वर्ष सत्र २०११–१२ में पढ़ाई जाने वाली पाठ्यपुस्तक 'अभिनव काव्य कौमुदी' (संपा० डॉ० संजीव कुमार) के स्थान पर कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा तैयार पुस्तक 'आधुनिक हिंदी कविता' वर्तमान सत्र २०१२–१३ से पाठ्यक्रम में निर्धारित की गई है। यह निर्णय संयुक्त पाठ्यक्रम समिति में पारित प्रस्ताव की अनुपालना में दोनों विश्वविद्यालयों में समान रूप से लागू होगा । उक्त पुस्तक कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी ।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे । कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे ।

खण्ड--ख : हिंदी साहित्य का रीतिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ रीतिकालीन हिंदी कविता की पृष्ठभूमि
२ रीतिकाल का नामकरण
३ रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ
४ रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ
५ रीतिकालीन काव्य की उपलब्धियाँ

खण्ड--ग : प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कंप्यूटिंग और अनुवाद

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

१ कंप्यूटर : स्वरूप और महत्व
२ ई–मेल : प्रेषण–ग्रहण

३ इंटरनेट : स्वरूप और उपयोगिता
४ मशीनी अनुवाद
५ अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप

निर्देश-

१ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ५ अंक की होगी ।पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

२ खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से कोई दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

३ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पश्न ८–८ अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न १६ अंक का होगा ।

५ खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निधारित हैं। पूरा प्रश्न दस अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न ५ अंक का तथा पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

७ खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से १० वस्तुनिप्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न १ अंक का तथा पूरा प्रश्न दस अंक का होगा ।

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक

बी०ए० : चतुर्थ सेमेस्टर

सत्र २०१२-१३

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- कथाक्रम : संपा० डॉ० रोहिणी अग्रवाल
- हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य
- पारिभाषिक शब्दावली
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के वस्तु पक्ष तथा कला पक्ष पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--ख : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ आधुनिक काल की परिस्थितियाँ
२ हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास
३ हिंदी कहानी : उद्‌भव और विकास
४ हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास
५ हिंदी निबन्ध : उद्‌भव और विकास

खण्ड--ग : पारिभाषिक शब्दावली

निर्धारित विषय

१ पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप और महत्व
२ पारिभाषिक शब्दावली के गुण
३ पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में सक्रिय विविध सम्प्रदाय : राष्ट्रीयतावादी, अन्तरराष्ट्रीयतावादी, समन्वयवादी ।

खण्ड-- घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश-

१ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ५ अंक की होगी ।पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

२ खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से कोई दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

३ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ८–८ अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न १६ अंक का होगा ।

५ खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न दस अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) म निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न ५ अंक का तथा पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

७ खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से १० वस्तुनिप्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न १ अंक का तथा पूरा प्रश्न दस अंक का होगा

केवल महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के लिए
बी०ए० : पाँचवाँ सेमेस्टर
जुलाई २०१२ से शुरू होने वाले सेमेस्टर के लिए
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- समकालीन हिंदी कविता संपा० डॉ० रामरती
- हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : कविता
- प्रयोजनमूलक हिंदी : पत्र लेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड--क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्यपुस्तक

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्सिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जायेंगे । कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे ।

खण्ड--ख : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : कविता

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ भारतेन्दुयुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
२ द्विवेदीयुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
३ छायावाद
४ प्रगतिवाद
५ प्रयोगवाद
६ नयी कविता
७ समकालीन कविता

खण्ड--ग : प्रयोजनमूलक हिंदी : पत्रलेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन

१ पत्रलेखन : स्वरूप और उसके विविध भेद
२ संक्षेपण
३ पल्लवन

खण्ड--घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश

१ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न १४ अंक का होगा ।

२ खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न १० अंक का होगा ।

३ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न १०.१० अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न २० अंक का होगा ।

५ खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

७ खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से १० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न १ अंक का तथा पूरा प्रश्न १० अंक का होगा।

केवल महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के लिए
बी०ए० षष्ठ सेमेस्टर
जनवरी २०१३ से शुरू होने वाले सेमेस्टर के लिए
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- नव्यतर विधाओं पर आधारित पाठ्यपुस्तक ४० अंक
- हरियाणवी लोक साहित्य का इतिहास ३० अंक
- हिंदी पत्रकारिता १० अंक
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न १० अंक

खण्ड क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्यपुस्तक

पंचम सेमेस्टर हिंदी (अनिवार्य) की नव्यतर गद्य विधाओं पर आधारित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) म० द० विश्वविद्यालय का हिंदी–विभाग तैयार करेगा। म० द० विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक में निम्नलिखित लेखकों की रचनाओं को शामिल किया जाएगा–

१ (निबन्ध) : बालमुकन्द गुप्त
२ (निबन्ध) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
३ (संस्मरण) : महादेवी वर्मा
४ (ललित निबन्ध) : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
५ (ललित निबन्ध) : विद्यानिवास मिश्र
६ (व्यंग्य) : हरिशंकर परसाई
७ (यात्रावृत्तान्त) : राहुल सांकृत्यायन

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों के साहित्यिक परिचय, निबन्धों के वस्तु पक्ष तथा कला पक्ष पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--ख : हरियाणवी भाषा और साहित्य का इतिहास
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ हरियाणवी भाषा का उद्‌भव और विकास
२ हरियाणवी भाषा की प्रमुख बोलियाँ

३ हरियाणा की सांग परम्परा : उद्‌भव और विकास

४ हरियाणवी भाषा का आधुनिक साहित्य

(क) हरियाणवी कविता : परिचय और प्रवृत्तियाँ

(ख) हरियाणवी का गद्य साहित्य

१ उपन्यास साहित्य

२ कहानी साहित्य

३ नाट्‌य साहित्य

खण्ड--ग : प्रयोजनमूलक हिंदी : पत्रकारिता

१ पत्रकारिता : स्वरूप एवं प्रकार

२ शीर्षक की संरचना

३ सम्पादक के गुण और दायित्व

४ फीचर लेखन

५ स्वतंत्र प्रेस की अवधारणा

खण्ड--घ वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश

१ खण्ड (क) मे निर्धारित पाठ्‌य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न १४ अंक का होगा ।

२ खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न १० अंक का होगा ।

३ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्‌य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न १०–१० अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न २० अंक का होगा ।

५ खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्‌यक्रम में से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

७ खण्ड (घ) में पूरे पाठ्‌यक्रम में से १० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न १ अंक का तथा पूरा प्रश्न १० अंक का होगा।